



॥ श्री अन्नपूर्णा चालीसा ॥
॥ ॐ अन्नपूर्णायै नमः ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री अन्नपूर्णा चालीसा ॥

॥ दोहा ॥

नित्य आनंद प्रदायिनी, जग की पालनहार।
माता अन्नपूर्णा करो, सबका बेड़ा पार॥
काशीपुरी विराजती, शिव की परम प्रियाय।
भक्तों के सब दुःख हरौ, सुख-समृद्धि बरसाय॥

॥ चौपाई ॥

जय अन्नपूर्ण जगदम्बे माता।
पूर्ण करो सबकी तुम त्राता॥
काशी नगरी की हो रानी।
जगजननी शिवप्रिय भवानी॥

अन्नपूर्णा नाम तुम्हारा।
भर दो सबका अन्न भंडारा॥
दीन-दुखी पर कृपा तुम्हारी।
करती हो रक्षा संसारी॥

अन्न, धन और सुख की दाता।
सबकी हो तुम भाग्य-विधाता॥
भूखे को भोजन तुम देती।
निर्बल को भी शक्ति समेटी॥

शिव ने तुमसे भिक्षा पाई।
तब जग में महिमा फैलायी॥
जग के प्राणी अन्न से जीते।
तुमसे ही सब जीवन रीते॥

संकट हरती मंगलकारी।
करती सबकी लाज हमारी॥
करुणामयी अम्बे भवानी।
सुन लो विनती मातु सयानी॥

भक्ति भाव जो मन में लावे।
माँ की कृपा सहज ही पावे॥
रोग, शोक सब दूर भगाओ।
जीवन में खुशहाली लाओ॥

धन-धान्य से घर भर देती।
सुख-सम्पत्ति सबको देती॥
नव निधि सिद्धि तुमसे पावें।
जो श्रद्धा से शीश नवावें॥

बालक वृद्ध सभी सुख पाते।
तेरे चरणों में सिर झुकाते॥
दया दृष्टि जब माँ हो जाती।
हर विपदा फिर दूर भगाती॥

सच्चे मन जो ध्यान लगावे।
जीवन सफल वही कहलावे॥
अन्नपूर्ण अम्बे दयाला।
रखना सदा कृपा की छाया॥

घर-घर अन्न कभी न घटे।
सुख-शांति का दीपक जले॥
भक्ति, शक्ति, ज्ञान प्रदानो।
जीवन का कल्याण विधानो॥

शिवशक्ति का दिव्य स्वरूपा।
भवसागर से करो अनूपा॥
जो यह चालीसा नर गावै।
मनवांछित फल सहज ही पावै॥

माता अन्नपूर्णा वरदानी।
करो कृपा हे जग कल्याणी॥

॥ दोहा ॥

जो श्रद्धा से पाठ करे, नित प्रति बारंबार।
अन्नपूर्णा कृपा करें, भर दें सुख-भंडार॥
भूख, दरिद्रता दूर हो, मिले सुख अपार।
माता अन्नपूर्णा करें, सबका उद्धार॥

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"